स्नातक प्रथम वर्ष

- हिंदी रचना (सामान्य हिंदी) हिंदी भाषियों के लिए अनिवार्य

पूर्णांक – 100

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न चरणों उनके उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

- हिंदी साहित्य के महत्वपूर्ण साहित्यकारों के साहित्यिक अवदान से परिचित हो सकेंगे।

- विद्यार्थी पाठ आधारित कहानियां और निबंधों के अध्ययन के द्वारा उसकी समीक्षा कर सकेंगे

- विद्यार्थी हिंदी व्याकरण एवं रचना से परिचित होंगे।

स्नातक प्रथम वर्ष

सामान्य हिंदी (हिंदी रचना) आहिंदी भाषियों के लिए

(कला, विज्ञान एवं वाणिज्य के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य)

पूर्णांक-50

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न चरणों उनके उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

- भक्ति काल की पूर्व पीठिका, प्रेरक तत्व, लोक जागरण, प्रमुख काव्य धारा एवं भक्ति काल के प्रमुख कवियों से विद्यार्थी परिचित होंगे।

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित विभिन्न कहानियां संस्मरण एवं रेखाचित्र के मूल पाठ के अध्ययन से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना का विस्तार होगा साथ-ही इन रचनाओं के मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी।

- विद्यार्थी हिंदी व्याकरण एवं रचना से परिचित होंगे।

स्नातक प्रथम वर्ष

(कला, विज्ञान एवं वाणिज्य)

हिंदी उत्तीर्ण (पास कोर्स) तथा आनुषंगिक (सब्सिडियरी) वर्ग

पूर्णांक- 100

- इस पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी हिंदी साहित्य के विविधओं के उद्भव और विकास से परिचित होंगे।

- पाठ्यक्रम में उल्लिखित विभिन्न कहानियां संस्मरण एवं रेखाचित्र के मूल पाठ के अध्ययन से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना का विस्तार होगा साथ-ही इन रचनाओं के मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा-प्रथम वर्ष

पत्र 1

मध्यकालीन काव्य (भक्ति व रीति काव्य)

- इसके अंतर्गत विद्यार्थी भक्ति आंदोलन की पूर्व पीठिका , भक्ति आंदोलन के प्रेरक तत्व, भक्ति काव्य का विकास , उसके दार्शनिक आधार और विविध धाराओं से परिचित हो सकेंगे।
- कबीर की दार्शनिकता, सामाजिकता और उनकी कविताओं की विशेषताओं से परिचित हो सकेंगे।
- जायसी का काव्य परिचय, पद्मावत में सूफी तत्व एवं मानसरोदक खंड के काव्य सौंदर्य से परिचित हो सकेंगे।
- तुलसीदास का कवि परिचय ,रामचरितमानस की महत्ता और रामचरितमानस की हृदय स्थली के रूप में अयोध्या कांड के काव्य सौंदर्य से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- मीराबाई का जीवन संघर्ष ,कृष्ण के प्रति अनन्य प्रेम एवं उनकी काव्यगत विशेषताओं से विद्यार्थी परिचित हो सकेंगे।
- रीतिसिद्ध कवि के रूप में बिहारी का काव्य परिचय, उनका श्रृंगार वर्णन एवं उनकी काव्य कला से विद्यार्थी अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थियों में पाठ आधारित अध्ययन के द्वारा कविता की व्याख्या उसका विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा प्रथम वर्ष
पत्र – 2
(गद्य विधाएँ)
(कथा साहित्य, नाटक एवं निबंध)

- यह पाठ्यक्रम साहित्य की गद्य विधाओं के अंतर्गत उपन्यास, नाटक, कहानी और निबंध को समझने में सहायक है।
- गद्य विधाओं के अंतर्गत उपन्यास, कहानी, नाटक और निबंध का विकास समझ सकेंगे।
- 'चित्रलेखा' उपन्यास के माध्यम से उसकी कथावस्तु, चरित्र चित्रण, उद्देश्य और भाषा शिल्प को समझ सकेंगे।
- 'चंद्रगुप्त' नाटक के माध्यम से उसकी कथावस्तु, अभिनेयता और रस से परिचित हो सकेंगे।
- पठित कहानियों और निबंधों के माध्यम से उसका कलात्मक वैशिष्ट्य को समझ सकेंगे।

स्नातक द्वितीय वर्ष

सामान्य हिंदी (हिंदी रचना)

कला, विज्ञान, वाणिज्य के उत्तीर्ण (पास) एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों की विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य

पूर्णांक - 100

- राष्ट्रकवि दिनकर के जीवन और उनके साहित्यिक अवदान से विद्यार्थी परिचित होंगे। साथ ही कुरुक्षेत्र काव्य और अंतर्वस्तु से परिचित होंगे।

- मैथिलीशरण गुप्त के जीवन और उनके साहित्यिक अवदान से विद्यार्थी परिचित होंगे। साथ ही यशोधरा काव्य और अंतर्वस्तु से परिचित होंगे।

- विभिन्न निबंधों के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना का विस्तार होगा।

स्नातक द्वितीय वर्ष

कला, विज्ञान और वाणिज्य परीक्षा के लिए अनिवार्य

उत्तीर्ण (पास) एवं आनुषंगिक (सब्सिडियरी) कथा साहित्य एवं नाट्य विधाएं

पूर्णांक -100

- पठित रचनाओं के माध्यम से उपन्यास, नाटक एवं एकांकी को समझ सकेंगे।

- हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।

- पाठ आधारित उपन्यास, एकाँकी और नाटक के अध्ययन से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना का विकास होगा।

स्नातक द्वितीय वर्ष

सामान्य हिंदी (हिंदी रचना)

उत्तीर्ण (पास) एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गों के लिए

(कला, विज्ञान और वाणिज्य के अहिंदी भाषियों के लिए अनिवार्य)

पूर्णांक-50

- पाठ्य पुस्तक 'हिंदी गद्य पद्य संग्रह' के माध्यम से उल्लिखित कहानी और कविताओं को समझ सकेंगे।

- व्यावहारिक हिंदी के अंतर्गत संक्षेपण, पल्लवन, पत्र-लेखन, आशय-लेखन, वाक्य संशोधन को जान पाएंगे।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा द्वितीय वर्ष
पत्र – 3
आधुनिक काव्य

खण्ड – क

- यह पाठ्यक्रम छायावाद के चार स्तंभ प्रसाद, निराला, पंत एवं महादेवी वर्मा से संबन्धित हैं।

- इससे छायावाद की विशेषताओं को समझ सकेंगे।

- पठित कविताओं के माध्यम से इन रचनाकारों की कविताओं का कला-पक्ष एवं भाव-पक्ष को समझ सकेंगे।

खण्ड – ख

- पठित कविताओं के माध्यम से दिनकर, बच्चन, अज्ञेय, धर्मवीर भारती, भवानी प्रसाद मिश्र और धूमिल की कविताओं के कला-पक्ष एवं भाव-पक्ष को समझ सकेंगे।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा-द्वितीय वर्ष

पत्र 4

हिंदी साहित्य का इतिहास

•हिंदी साहित्य के विभिन्न काल-खण्डों की समय-सीमा और उन काल-खण्डों के नामकरण से जुड़े प्रमुख विद्वानों के कथन और प्रमुख कारकों के विस्तृत अध्ययन में यह पाठ सहायक है।

•हिंदी साहित्य के विकास क्रम को समझने में यह सहायक है।

•हिंदी साहित्य के विभिन्न कालों की प्रवृतियां और उसके प्रमुख रचनाकारों के अवदान को यह पाठ्यक्रम विस्तार से निरूपित करता है।

•आधुनिक काल की पृष्ठभूमि के क्रम में युगों के विभाजन के कारक तत्व,विभिन्न कालो के स्वरूप एवं उसकी प्रमुख प्रवृतियां को समझने में यह पाठ सहायक है।

•हिंदी गद्य की विविध विधाओं जैसे कहानी उपन्यास नाटक निबंध एवं आलोचना के स्वरूप एवं उसके विकास क्रम को विद्यार्थी इस पाठ से समझ सकते हैं।

•हिंदी गध विद्याओं के नवीन स्वरूप जैसे- रिपोतार्ज, संस्मरण, रेखाचित्र, डायरी लेखन एवं यात्रा साहित्य आदि के स्वरूप एवं विकास के क्रम को विद्यार्थी इस पाठ से समझ सकते हैं

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र - 5

भाषा विज्ञान

खंड- क

- भाषा की परिभाषा, उसकी विशेषताएं एवं भाषा-बोली को समझ पाएंगे।
- भाषा विज्ञान की परिभाषा उसकी उपयोगिता एवं उसका अन्य शाखाओं से संबंध समझ सकेंगे।
- भाषा विज्ञान के विभिन्न अंगों का परिचयात्मक अध्ययन (ध्वनि, शब्द, वाक्य और अर्थ विज्ञान) से अवगत हो सकेंगे।
- हिंदी की शब्द संपदा शब्द कोटियाँ-- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियाविशेषण की व्याकरणिक कोटियों को समझ सकेंगे।

खंड- ख

- हिंदी भाषा का उद्भव और विकास एवं आर्य भाषाओं से परिचित हो सकेंगे।
- राष्ट्रभाषा राजभाषा एवं संपर्क भाषा को समझ सकेंगे ।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष

पत्र - 6

भारतीय काव्यशास्त्र और पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार एवं शब्द शक्ति को समझ सकेंगे।
- रस, अलंकार, रीति, ध्वनि, वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय से अवगत हो सकेंगे।
- अलंकार और छंद को समझ सकेंगे।
- पठित अलंकार और छंद के भेद से परिचित हो सकेंगे।
- पाश्चात्य आलोचक-- प्लेटो, अरस्तू, मैथ्यू अर्नाल्ड, आई.ए.रिचर्ड्स के साहित्य सिद्धांतों से अवगत हो सकेंगे।
- पठित भारतीय समीक्षक--आचार्य रामचंद्र शुक्ल आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी नंददुलारे वाजपेयी, लक्ष्मीनारायण सुधांशु, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, नलिन विलोचन शर्मा को समझ सकेंगे।

स्नातक हिन्दी प्रतिष्ठा तृतीय वर्ष
पत्र – 7
प्रयोजनमूलक हिन्दी

- यह पाठ्यक्रम प्रयोजनमूलक हिन्दी, अनुवाद और पत्रकारिता से संबन्धित है।
- इससे प्रयोजनमूलक हिन्दी, कार्यालयी हिन्दी और व्यावसायिक हिन्दी को विस्तृत रूप से समझ सकेंगे।
- पारिभाषिक शब्दावली से अवगत हो सकेंगे।
- हिन्दी भाषा की व्यापकता और उसकी विविध शैलियों को समझ सकेंगे।
- अनुवाद और उसके विविध प्रकार एवं उसके प्रयोग से अवगत हो सकेंगे।
- पत्रकारिता की परिभाषा, भेद, प्रयोग एवं उसके तकनीकी शब्द को जान सकेंगे।

स्नातक हिंदी प्रतिष्ठा-तृतीय वर्ष

पत्र 8

विशेष अध्ययन (सगुण भक्ति काव्य)

•यह पाठ्यक्रम भक्ति काल और उसकी प्रमुख काव्य धारा- सगुण भक्ति को जानने और समझने में सहायक है।

•भक्ति आंदोलन में कृष्ण काव्य धारा एवं राम काव्य धारा के प्रमुख कवियों के वैचारिक आधार ,दार्शनिक आधार और उनके साहित्य की सामाजिक भूमिका को समझने में बेहद उपयोगी है।

•प्रमुख सगुण भक्त कवियों के जीवन-संघर्ष, काव्य संसार,उनकी भक्ति और सामाजिक चेतना को इस पाठ के माध्यम से विद्यार्थी आसानी से समझ सकते हैं।

• भ्रमरगीत के आधार स्रोत ,भ्रमरगीत का साहित्यिक एवं दार्शनिक पक्ष, सूर की काव्य भाषा एवं भ्रमरगीत की अन्य विशेषताओं को समझने में यह पाठ सहायक है।

•तुलसीदास के लोक मंगल एवं भक्ति के स्वरूप एवं उननकी रचना 'कवितावली' की प्रमुख विशेषताओं को समझने में यह पाठ सहायक है।

•मीराबाई के पदों के माध्यम से उनका जीवन संघर्ष, उनके पदों में वर्णित प्रेम के स्वरूप एवं महत्व एवं उनकी भाषा-शैली को समझने में यह पाठ सहायक है।

•कृष्ण भक्ति परंपरा में रसखान का स्थान, उनकी कविताओं में वर्णित प्रेम के स्वरूप एवं महत्व एवं उनकी काव्य भाषा को समझने में यह पाठ सहायक है।

•रहीम की काव्यगत विशेषताएँ, नायक-नायिका भेद एवं उनके नीतिपरक दोहे की विशेषताओं को समझने में या पाठ सहायक है।

•विद्यार्थियों में पाठ आधारित अध्ययन के द्वारा कविता की व्याख्या, उसका विश्लेषण और मूल्यांकन करने की क्षमता विकसित होगी।